BAIJU BAWRA
A.N.D. College,

B.Ed - II year
Course - 10
Unit - 2
Topic - Community based Edu

3.7.2020

COMMUNITY BASED EDUCATION

समुदाय दो या दो से अधिक व्यक्तियों का ऐसा समूह होता है जो एकता अथवा सामुदायिक भावना के उत्पन्न हो जाने से बनता है, जिसमें निश्चित भौगोलिक क्षेत्र, सामुदायिक भावना सामान्यजीवन तथा नियमों आदि तत्वों का होना आवश्यक है। समुदाय का क्षेत्र छोटे से छोटा भी हो सकता है और बड़े से बड़ा भी।

सामान्य रूप से आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक समानताओं पर समुदाय का क्षेत्र निर्भर करता है।

* ऑगबर्न तथा निमकॉफ के अनुसार :- किसी सीमित क्षेत्र के अन्तर्गत सामाजिक जीवन के संपूर्ण संगठन को समुदाय समझा जा सकता है।
* के डेविस के अनुसार :- समुदाय सबसे छोटा ऐसा क्षेत्रीय समूह है जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के समस्त पहलू आ सकते हैं।

* समुदाय शिक्षा संस्था के रूप में :-

आवश्यकताएँ एवं समस्याएँ प्रत्येक समुदाय में होती है इन आवश्यकताओं की पूर्ति तथा समस्याओं के समाधान से समुदाय का जीवन स्तर ऊँचा उठता है तथा वह समुदाय दिन प्रतिदिन प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है। जो समुदाय अपनी नई पीढ़ी के लिए शिक्षा की व्यवस्था बड़ी.

कर पाता, उस समुदाय की निर्धनता ज्यों की त्यों बनी रहती है। इसलिए प्रत्येक समुदाय अपनी नई पीढ़ी के लिए अच्छी से अच्छी शिक्षा की व्यवस्था करने का प्रयास करता है इस प्रकार स्कूल को समाज के लघु रूप की संज्ञा दी जाती है। एक समुदाय शिक्षा संस्था के रूप में बालक को औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों रूप से शिक्षित करने का प्रयास करता है।

बालक की शिक्षा में समुदाय का महत्व :-

वास्तव में बालक पारिवारिक वातावरण में ही केवल विकसित नहीं होता है। बल्कि समुदाय के विस्तृत वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। यह समुदाय के वातावरण का ही प्रभाव होता है कि बालक की विचारधारा, प्रकृति और आदतों का निर्माण तथा उसकी संस्कृति, रहन सहन एवं भाषा पर एक अमिट छाप पड़ती है यह ध्यान देने की बात है कि समुदाय का वातावरण बालक की अनुकरण करने की प्रवृत्ति को विशेष रूप से प्रभावित करता है। इस कारण से बालक वैसे लोगों का अनुकरण करने लगता है जिन लोगों के संपर्क में वह आता है। प्रत्येक समुदाय की संस्कृति, भाषा तथा दृष्टिकोण और व्यवहार में स्पष्ट अन्तर होता है। और इसलिए प्रत्येक बालक की संस्कृति, प्रकृति, भाषा, व्यवहार एवं दृष्टिकोण में अन्तर दिखाई पड़ता है।

विलियम ई एगर :-

स्वभाव से मानव सामाजिक प्राणी है, इसलिए उसने वर्षों के अनुभव से सीख लिया है कि व्यक्तित्व तथा सामूहिक क्रियाओं का विकास सर्वोत्तम रूप में समुदाय द्वारा ही किया जा सकता है।

समाप्त